बाबा की दया ते म्हारे ढ़ोल बजगे भजन लिरिक्स

बाबा की दया ते म्हारे ढ़ोल बजगे,
कोठी बंगले तो अनमोल सजग।bd।

मेंहदीपुर का स धाम निराला,
किस्मत का यो खोल: र ताला,
घाटे आले बाबा महारे मन रजगे,
कोठी बंगले तो अनमोल सजग,
बाबा की दया ते महार: ढ़ोल बजगे,
कोठी बंगले तो अनमोल सजग।bd।

बालाजी ने रे मेहर फिराई,
दिल से सवामणी मन्नै लाई,
कुणबे के लोग बुराई तजगे,
कोठी बंगले तो अनमोल सजग,
बाबा की दया ते महार: ढ़ोल बजगे,
कोठी बंगले तो अनमोल सजग।bd।

पहले मेरा जीवन बड़ा ही अजीब था,
काम करया टुट क पर रहता गरीब था,
माड़ा सा नसीब था कर्म चढ़गे,
कोठी बंगले तो अनमोल सजग,
बाबा की दया ते महार: ढ़ोल बजगे,
कोठी बंगले तो अनमोल सजग।bd।

श्यामड़ी आले जपै नाम अनमोल है,
बल्लू ठेकेदार रट: ह्रदय के पट खोल है,
कौशिक जी तो दिल तं भजगे,
कोठी बंगले तो अनमोल सजग,
बाबा की दया ते महार: ढ़ोल बजगे,
कोठी बंगले तो अनमोल सजग।bd।

बाबा की दया ते म्हारे ढ़ोल बजगे,

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाईल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com

गायक – नरेन्द्र कौशिक।
भजन प्रेषक – राकेश कुमार जी,
खरक जाटान(रोहतक)
(9992976579)

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com